समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

मुंबई मे रेड अलर्ट: भारी बारिश से सरकारी दफ्तर बंद, WFH सलाह

Publisher

Published on 19 Aug 2025

मुंबई, जिसे देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, इस समय भारी बारिश की मार झेल रही है। लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारत मौसम विभाग (IMD) ने 19 अगस्त को मुंबई और आसपास के इलाकों में **रेड अलर्ट** जारी किया है। स्थिति को देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने बड़ा निर्णय लिया है। बीएमसी ने 19 अगस्त को सभी **सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों को बंद** रखने का आदेश दिया है। साथ ही निजी कंपनियों से अपील की गई है कि वे कर्मचारियों को **वर्क-फ्रॉम-होम (WFH)** की सुविधा दें ताकि लोग सुरक्षित रह सकें और सड़कों पर अनावश्यक भीड़भाड़ न हो।

यह निर्णय तब आया है जब शहर में लगातार दूसरे दिन रेड अलर्ट घोषित किया गया है। मुंबई जैसे व्यस्त महानगर में इस तरह का कदम केवल आपातकालीन परिस्थितियों में ही लिया जाता है। बारिश से प्रभावित इलाकों में जलभराव, ट्रैफिक जाम, ट्रेन और फ्लाइट सेवाओं में देरी जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं।

बारिश से बिगड़ा जनजीवन

मुंबई में मानसून हर साल अपनी दस्तक देता है, लेकिन इस बार बारिश ने सामान्य जीवन को गहरी चुनौती दी है। शहर के कई हिस्सों जैसे **दादर, अंधेरी, कुर्ला, बांद्रा, मुलुंड और चेबूंर** में जलभराव की स्थिति है। कई सड़कों पर पानी इतना भर गया है कि गाड़ियां बंद हो गईं, जिससे घंटों लंबा जाम लग गया।

लोकल ट्रेन, जिसे मुंबई की जीवनरेखा कहा जाता है, भी बारिश से प्रभावित हुई है। कई रूटों पर पानी भर जाने के कारण ट्रेनें धीमी गति से चल रही हैं। इसके अलावा हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ा है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों के समय में देरी दर्ज की गई है।

रेड अलर्ट का क्या मतलब है ?

भारत मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, **रेड अलर्ट** का मतलब है कि किसी क्षेत्र में अत्यधिक बारिश की संभावना है और इसके कारण गंभीर खतरे उत्पन्न हो सकते हैं। रेड अलर्ट जारी होने पर प्रशासन और नागरिकों को पूरी तरह सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

मुंबई में जारी रेड अलर्ट के तहत **200 मिमी से अधिक बारिश** होने की संभावना जताई गई है। इस स्तर की बारिश शहर की व्यवस्था को ठप कर सकती है और बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। इसलिए बीएमसी और राज्य सरकार ने पहले से एहतियाती कदम उठाना शुरू कर दिया है।

सरकारी और निजी क्षेत्र की तैयारी

बीएमसी ने सरकारी और सेमी-सरकारी कार्यालयों को बंद करने का निर्णय लिया है ताकि कर्मचारी यात्रा के दौरान किसी संकट में न फँसें। वहीं, निजी कंपनियों को भी वर्क-फ्रॉम-होम की सलाह दी गई है।

कई आईटी कंपनियों और कॉर्पोरेट ऑफिस ने पहले ही कर्मचारियों को ईमेल भेजकर घर से काम करने के लिए कहा है। स्कूल और कॉलेज भी बंद कर दिए गए हैं, ताकि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा बनी रहे।

आपात सेवाओं पर जोर

बारिश के बीच पुलिस, दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन दल पूरी तरह अलर्ट पर हैं। बीएमसी ने शहर के कई इलाकों में **पंपिंग स्टेशनों को सक्रिय** कर दिया है ताकि पानी निकासी की प्रक्रिया तेज हो सके। हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं और नागरिकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें।

एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीमें भी तैयार रखी गई हैं, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटा जा सके।

नागरिकों के लिए सलाह

बीएमसी और मौसम विभाग ने नागरिकों को कुछ जरूरी सलाह दी है—

1. जब तक बहुत जरूरी न हो, घर से बाहर न निकलें।
2. जलभराव वाले इलाकों से दूरी बनाए रखें।
3. रेलवे ट्रैक और नालों के पास जाने से बचें।
4. बिजली के खंभों और तारों के पास न जाएं।
5. बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर खास ध्यान दें।
6. आधिकारिक हेल्पलाइन और सोशल मीडिया अपडेट पर नजर बनाए रखें|

आर्थिक गतिविधियों पर असर

मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है। शेयर बाजार, कॉर्पोरेट ऑफिस और उद्योग-धंधों पर बारिश का सीधा असर पड़ता है। रेड अलर्ट और दफ्तरों की बंदी से कारोबार धीमा हो जाता है। हालांकि डिजिटल सिस्टम और वर्क-फ्रॉम-होम से कामकाज जारी रहेगा, लेकिन परिवहन, होटल, रिटेल और छोटे व्यापारियों पर इसका नकारात्मक असर देखा जा रहा है।

नज़र आगे की स्थिति पर

मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि आने वाले 24 से 48 घंटों तक मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश जारी रह सकती है। ऐसे में प्रशासन और नागरिकों के लिए यह बड़ी चुनौती है कि वे मिलकर सुरक्षित वातावरण बनाए रखें।

राज्य सरकार ने भी संबंधित विभागों को आदेश दिया है कि वे लगातार हालात की निगरानी करें और ज़रूरत पड़ने पर राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू करें।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.